

This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No. ....

आपका अनुक्रमांक .....

**7354**

**M.A. / II**

**A**

**SANSKRIT – Course 14 (Group C)**

**(Sāhityaśāstra)**

**Time : 2 Hours**

**Maximum Marks : 50**

**समय : 2 घण्टे**

**पूर्णांक : 50**

*(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)*

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

**Note :** Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English.

**टिप्पणी :** अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए ।

**नोट :** प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक एम.ए. संस्कृत परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन-फॉर्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य हैं । वर्ग 'अ' (नियमित पूर्व-विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : 10 + 10 = 20  
 Explain any **two** of the following :  
 (क) संकेतितश्चतुर्भेदो जात्यादिर्जातिरेव वा ।  
 (ख) उपाधिश्च द्विविधः वस्तुधर्मो वक्तृयदृच्छसन्निवेशितश्च ।  
 (ग) स्वसिद्धये पराक्षेपः परार्थं स्वसमर्पणम् ।  
 उपादानं लक्षणं चेत्युक्ता शुद्धैव सा द्विधा ॥  
 (घ) अनेकार्थस्य शब्दस्य वाचकत्वे नियन्त्रिते ।  
 संयोगाद्यैरवाच्यार्थधीकृद् व्यापृतिरञ्जनम् ॥
2. मम्मट के काव्य-हेतु की व्याख्या कीजिए । 10  
 Explain the Kavya-Hetu according to Mammata.  
 अथवा / OR  
 अर्थीव्यञ्जना से आप क्या समझते हैं ?  
 What is meant by Arthivyanjana ?
3. भरत के रस-सूत्र की भट्टलोल्लट कृत व्याख्या का विश्लेषण करें । 10  
 Analyse Bhatta Lollata's interpretation on Rasa-Sūtra of Bharata.  
 अथवा / OR  
 विशिष्टलक्षणावाद की विस्तृत व्याख्या कीजिए ।  
 Discuss in detail the Vishishtalakshanavāda.
4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए, जिनमें एक संस्कृत में अवश्य हो : 5 + 5 = 10  
 Write short notes on any **two** of the following, in which **one** must be in **Sanskrit** :  
 (क) तात्पर्याख्या वृत्ति ।  
 (ख) विभाव ।  
 (ग) चित्रकाव्य ।  
 (घ) मुख्यार्थबाध ।